



प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री ने सरदार सरोवर बांध देश को समर्पित किया; दभोई में नर्मदा महोत्सव के समापन समारोह में हिस्सा लिया

Posted On: 17 SEP 2017 4:25PM by PIB Delhi

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश को सरदार सरोवर बांध समर्पित किया। इस अवसर पर केवडिया में बांध पर प्रार्थनाओं और भजनों का जाप किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक पट्टिका का अनावरण किया।

बाद में, प्रधानमंत्री ने साधु बेट में सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक प्रतिष्ठित संरचना, एकता की प्रतिमा के निर्माण स्थल का दौरा किया, जो कि सरदार सरोवर बांध से थोड़ी दूरी पर था। उन्होंने निर्माण क्षेत्र पर काम की प्रगति का अवलोकन किया।

दभोई में एक बड़ी सार्वजनिक सभा में, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के आधारशिला को रखने के लिए एक पट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर को नर्मदा महोत्सव के समापन समारोह के रूप में भी चिन्हित किया गया, जो कि गुजरात के विभिन्न जिलों में नर्मदा नदी के बारे में जागरूकता फैलाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस विशाल जनसभा से लोगों के मन में मां नर्मदा के लिए सम्मान का पता चलता है। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर उन्होंने कहा कि वे उन सभी लोगों का नमन करते हैं जो देश के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने प्रोत्साहित किया कि हमें 2022 तक नया भारत बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने बांध पर सरदार पटेल के दृष्टिकोण को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल और डॉ बाबासाहेब अंबेडकर दोनों ने सिंचाई और जलमार्ग पर बहुत जोर दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संसाधनों की कमी विकास के मार्ग में एक बड़ी बाधा रही है। उन्होंने अतीत में अपने सीमावर्ती इलाकों के दौरे को याद किया, जब बीएसएफ के जवानों के पास पर्याप्त पानी नहीं था। उन्होंने कहा कि हम जवानों के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में नर्मदा के जल को ले गए।

उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध के निर्माण में गुजरात के संतों और ऋषियों ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी का पानी लोगों की मदद करेगा और जीवन को बदलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के पश्चिमी भाग में पानी की कमी है और पूर्वी भाग में बिजली और गैस की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार इन कमियों पर काबू पाने के लिए काम कर रही है जिससे भारत विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एकता की प्रतिमा सरदार पटेल के लिए उचित श्रद्धांजलि होगी और यह सभी पर्यटकों को आकर्षित करेगा। उन्होंने आदिवासी समुदायों के स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जिन्होंने उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

अतुल तिवारी/हिमांशु सिंह/बालमीकि महतो/अभय कुमार

(Release ID: 1503216) Visitor Counter : 15

